बरनाबास-एक उदार दानी

यीशु, जिससे हम प्यार करते हैं, उसने हमें आज्ञा दी है कि उदारता से दान दें।

जो लोग बच्चों को सिखाते हैं उन्हें पढ़ना चाहिए अध्ययन जी 1 ब

प्रार्थना: ''स्वर्गीय पिता, आपने हमें अपना पुत्र तथा अनन्त जीवन दिया। आपने हमें सब प्रकार की अच्छी वस्तुए दी कि हम आनन्द लें। कृपया, आप मेरी और हमारी कलीसिया की सहायता कीजिये कि हम आपके वरदानों को जिनको जिसकी आवश्यकता है बॉट सके।''

1. **अपने हृदयों को उदारता से देने के लिये तैयार करें और अपने झुण्ड को भी।**

   बरनाबास और प्रथम मसीही उदारता से देते थे।

- **प्रेरितो के काम 2:44-45** में देखें कि किस प्रकार पहले विश्वासी एक दूसरे की आवश्यकताओं को पूरा करते थे।

  अ) कौन से विश्वासी देते थे?

  ब) वे किस को दिया करते थे?

  (उत्तर: अ) वे सब जिनके पास कुछ भी देने को था। ब) उन सबको जिनको आवश्यकता थी।)

- **प्रेरितो के काम 4:32-37** बरनाबास किस प्रकार जरूरत मंद विश्वासियों को देकर मदद करता थां

  अ) उसके पास क्या था बेचने को?

  ब) उसने उसे किसे दिया?

  (उत्तर: अ) ज़मीन ब) प्रेरितो को दी जिनको किसी चीज़ की जरूरत है उन्हे दे दे।)

- **प्रेरितो के काम 11:28-30** में देखें कि कलीसिया एक दूसरे की जरूरत के समय कैसे सहायता करे

  अ) विश्वासी कितना देते थे?

  ब) वे लोग किन लोगों को देते थे?

  (उत्तर: अ) जो कुछ वे दे सकते थे। ब) येरूशलेम के ज़रूरत मंद विश्वासियों को परमेश्वर ने उन लोगो से जो देते है क्या प्रतिज्ञा की है।)

- **नीतिवचन 19:17 में देखें:**

  अ) हमें किन लोगों को देना चाहिये?

  ब) परमेश्वर की प्रतिज्ञा क्या है? उत्तर: परमेश्वर वह सब लौटा देगा जो हम देते हैं।

  (उत्तर: अ) उत्तर: गरीबों को ब) परमेश्वर वह सब लौटा देगा जो हम देते हैं)

- **लूका 6:30-38 में देखें**

  अ) हमें किन लोगों का देना चाहिये? उत्तर: उन सबको जो हम से मॉगते हैं।

  ब) परमेश्वर की प्रतिज्ञा क्या है? उत्तर: वह सब कुछ जो हमने दिया है उसी माप से लौटा देगा जिससे दिया गया है

  (उत्तर: उन सबको जो हमसे मांगते है। वह सब कुछ जो हमने दिया है उसी माप से लौटा देगा जिससे दिया गया है)

- **2 कुरन्थियों 9:1-11 में देखें:**

  अ) हमें किन लोगों को देना चाहिए?

ब) हमें कितना देना चाहिए?

स) परमेश्वर की प्रतिज्ञा क्या है?

ड) हमें देने के बाद कैसा एहसास होता है

(उत्तर: अ) जरूरत मंद मसीहियों को ब) जो कुछ हम अपने हृदय में सोचते हैं स) हमारे पास देने को सदा बहुतायत से होता है। ड) आनन्दपूर्ण)

- **फिलिप्पियो 4:13-19 में देखें:**

  अ) हमें किन लोगों को देना चाहिए:

  ब) परमेश्वर ने क्या प्रतिज्ञा की है।

(उत्तर: अ) प्रेरितों को जिन्होनें नई कलीसियों का आरम्भ किया था। ब) परमेश्वर वह सब कुछ देता है जिसकी हमें ज़रूरत है।)

- **मत्ती 6:19-21** में देखें हम अपना धन कहाँ पर जमा करें।
- **मत्ती 6:31-33** में देखें हमें पहले किसकी खोज करनी चाहिये।

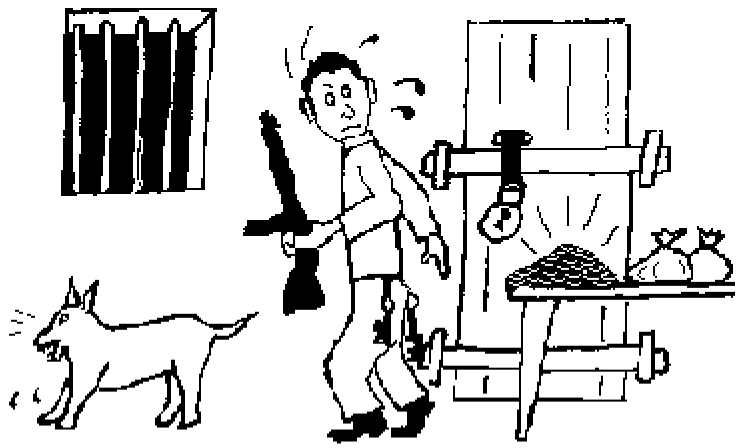

2. अपने सहकर्मियों के साथ आने वाले सप्ताह की क्रिया कलापों की योजना बनायें।

- अपने झुण्ड के सदस्यों की ज़रूरत क्या है और उनकी जिनको विश्वासी देते हैं।
- ज़रूरत मन्दों के पास जायें उनको विश्वासियों के उपहारों से आशिषित करें। अपनी कलीसिया में ज़रूरत मंदो की, फिर उनकी जिनके पास नहीं है गलतियों 6:10
- एक लेखा जोखा बनायें जिसमें सभी प्रकार की धन सम्बधित उपहारों की सूची तैयार करें कि कलीसिया में कितना धन आया है और कितना सहायता के लिए दिया गया।
- एक डींकन और स्त्री डींकन नियुक्त करें जो प्रेरितो के काम 6:1-6 के अनुसार सहायत करे

3. आने वाली आराधना सभा को अपने सहकर्मियों के साथ मिलकर सुनियोजित ढंग से चलाने की योजना बनायें।

पुन: गणना करें या दर्शाये कि बरनाबास जो जरूरत मंद थे उनको कैसे दिया करता था, प्रेरितो के काम 4:32-37

पुन: गणना करे या दर्शाये कि वह स्त्री जिसके पाप क्षमा हुये थे वह यीशु से प्रेम को कैस दर्शाती **है लूका 7:36-50**

पुन: गणना करें या दर्शायें कि किस प्रकार एक गरीब विधवा ने अपना आखिरी सिक्का अपने परमेश्वर को दे दिया जिसके ऊपर उसका जीवन निर्भर करता था। **मरकुस 12:38-44** या बच्चे कहानी के आधार पर नाटक करें और वयस्कों से जो प्रश्न आपने तैयार किये हैं पूछे।

नीतीवचन 19:17 **याद करें।**

अगर कोई ऐसा जन है, जिसे मदद की ज़रूरत है, तो पैसा इकट्ठा करें जिससे उसकी सहायता हो सके।

विश्वासी बाईबिल की आयतें पढ़ें या वर्णन करके यह समझाएं कि परमेश्वर का सबसे बड़ा उपहार जो उसने हमें दिया कैसा है। यूहन्ना 3:16-17; यूहन्ना 6:47-51; 1 यूहन्ना 3:16-17; रोम 6:23

प्रभु भोज का आरम्भ करने से पहले 2 इतिहास 35:17-19 तक पढ़ें, समझायें कि फसह के मेमने को अपने अनमूल्य उपहार यीशु जो ''परमेश्वर का मेमना है'' हमें दिया।

प्रोत्साहन देने के लिए बाईबल आयत जो देने और लेने के विषय में है पढ़ें।

1 इतिहास 29:9-13	लूका 7:36-50; 14:12-14
1 कुरन्थियों 16:1-4	मत्ती 6:19-12; 6:31-33; 19:28-30; 25:34-35
1 यूहन्ना 3:16-19	फिलिप्पयों 4:13-19
1 तीमुथियुस 5:3-5	नीतिवचन 11:24-28; 19:17; 21:13; 22:9; 28:27
2 कुरन्थियो 9:7-8	भजन संहिता 39:4-7
प्रेरितो के काम 11:28-30; 20:32-35	रोमियों 10:13-15; 15:20-25
याकूब 2:14-16	व्यवस्थाविवरण 8:15-19; 15:7-11